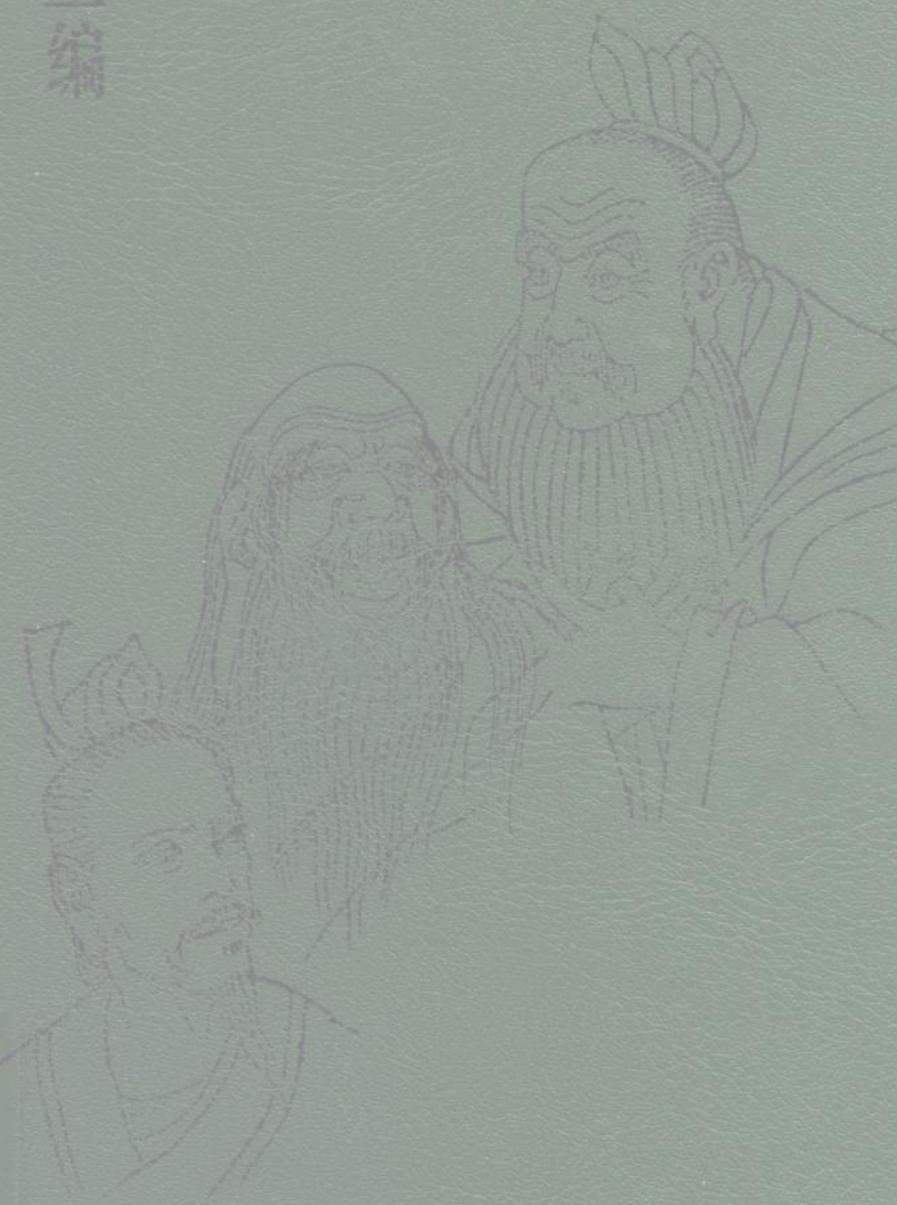


中  
国  
哲  
学  
大  
辞  
典

方克立 主编



方克立 主编

# 中国哲学大辞典

中国社会科学出版社

(京)新登字 030 号

---

责任编辑：李 辑

责任校对：李 建

封面设计：朱 虹

版式设计：李玲玲

---

**中国哲学大辞典**

Zhongguo Zhxue Dacidian

出版发行 中国社会科学出版社

(北京鼓楼西大街甲 158 号)

邮编 100720 电话 441531

经 销 新华书店

印 刷 民族印刷厂印刷

---

787×1092 毫米 16 开本 54.25 印张 1 插页 1864 千字

1994 年 5 月第 1 版 1994 年 5 月第 1 次印刷

印数 1—3 000 册

---

ISBN 7-5004-1133-2 / B · 235 定价：50.00 元

---

# 编辑委员会

(按姓氏笔画为序)

主编:方克立

副主编:卢育三 吕希晨 周德丰

编辑委员:王兴华 方克立 卢升法 卢育三 吕希晨

刘润忠 李延良 李超元 陈 莹 周德丰

崔清田 康中乾 温克勤

# 撰稿人

(按姓氏笔画为序)

|     |      |     |     |     |     |     |
|-----|------|-----|-----|-----|-----|-----|
| 丁大同 | 乌兰察夫 | 王之刚 | 王兴华 | 王兴国 | 王俊义 | 王冠杰 |
| 方立天 | 方克立  | 卢升法 | 卢育三 | 业露华 | 田文棠 | 田立刚 |
| 付永庆 | 乐寿明  | 吕希晨 | 吕宏伟 | 刘 锋 | 刘文英 | 刘廷亚 |
| 刘国梁 | 刘彦生  | 刘笑敢 | 刘润忠 | 刘景山 | 孙 琰 | 孙以楷 |
| 孙实明 | 杨 谦  | 杨守义 | 杨哲昆 | 杨祥庚 | 杨福程 | 李 卒 |
| 李广良 | 李兰芝  | 李延良 | 李超元 | 李鸿安 | 李翔海 | 李增祥 |
| 严 正 | 肖汉明  | 吴 光 | 余新华 | 谷中原 | 宋志明 | 张锡勤 |
| 张铁勇 | 张祥浩  | 张喜阳 | 张斌峰 | 陈 平 | 陈 来 | 陈 莹 |
| 陈 琨 | 陈庆坤  | 陈红艳 | 陈寒鸣 | 武东生 | 罗 烟 | 罗义俊 |
| 周桂钿 | 周德丰  | 郑家栋 | 赵明东 | 赵智奎 | 钟兴锦 | 耿成鹏 |
| 徐少锦 | 徐荪铭  | 钱 明 | 郭齐勇 | 剧中林 | 曹跃明 | 黄 竹 |
| 盛家林 | 崔大华  | 崔清田 | 商聚德 | 阎孟伟 | 梁禹祥 | 韩 强 |
| 葛 亮 | 蒋国保  | 温克勤 | 曾祥云 | 蒙培元 | 管培月 | 潘桂明 |
| 薛应祺 | 魏德东  |     |     |     |     |     |

## 前　　言

中国哲学源远流长，学派众多，哲人辈出，在数千年漫长的发展历程中，留下了丰富的文献典籍和思想资料。一位西方哲学家曾经说过：“一部没有中国哲学的世界哲学史最多只能算是半部。”无论从文献典籍之缺损或一种重要哲学类型之阙如的意义上来说，此话都一点也不为过。中国哲学之博大精深，已被越来越多的世界各国有识之士所认识、所欣赏和所追求。人们越来越趋于这样一种共识：未来世界最有生命力、最有光明发展前景的哲学必将是东（中）西哲学精神之融通和辩证的综合。

把中国哲学的丰富宝藏介绍给世界各国人士，也让我们的人民和青年珍惜“自家无尽藏”，从先辈的哲学创造中汲取有益的精神营养，是中国哲学史工作者应尽的义务和责任。天津市的中国哲学史工作者在制定“七五”社科规划时，决定依靠集体的力量，并求得全国同行的支援和帮助，合作编著一部《中国哲学大辞典》。这一工程经历六个寒暑终于完成了。集体作业虽然有集思广益、出成果快等优点，但也有水平参差不齐、组织协调困难等缺陷，本书成稿不到一年时间，但修改、审定费时却数倍于斯，虽经多次审改，但书中错误、不足仍在所难免。我们诚恳希望得到专家和广大读者的批评指正，以便在出修订本时使它更臻成熟、完善一些。

本书的编纂工作，得到了天津市哲学社会科学规划小组的支持和天津市社科基金会的资助，还得到了前天津市委书记、市长李瑞环同志的特别关照和鼓励。中国社会科学出版社一直热情支持本书的编写和出版工作。我们在此一并表示深切感谢。

编　者

1991年4月

## 凡例

一、本辞典收入有关中国哲学方面的学派、人物、著作、名词、概念、范畴、命题、学说、事件等词目共计 5000 余条。

二、词目排列按第一字笔画为序，少的在前，多的在后；画数相同的，按起笔笔形，即：一（横）、丨（竖）、丿（撇）、丶（点）、乙（折）顺序排列；画数和起笔笔形皆相同的，则按字形结构先左右形，再上下形，后整体形排列；画数、起笔笔形和字形均相同时，则按第二字的画数、起笔笔形和字形分先后排列，以下类推。

三、一词多义的词目，用①②③……分项列释。人物词目以通用名为正条，字、号、别名等设附条。人物的生卒年一律采用公元纪年；释文中涉及的历史年代，用公元纪年加注朝代纪年。

四、对学术界有重大争论的问题，客观地介绍主要各方的观点。

五、词目和释文，一般采用现行简化字与规范字体，但仍保留有少数繁体字和异体字，以避免歧义。

六、为便于读者查阅，书后附有“分类词目索引”和“词头汉语拼音索引”。

## 内 容 提 要

本辞典提供有关中国哲学的全面系统、准确翔实而又简明扼要的知识，内容包括对中国历代重要哲学派别、哲学家、哲学著作、哲学学说、概念、范畴、命题的简要介绍和解说，而其重点是介绍中国哲学的概念、范畴，在这方面设立较多条目和分配较多字数，这是它区别于其他同类工具书的主要特点。辞典中还包容了哲学的若干分支学科，增设了中国逻辑学史、中国伦理学史、中国美学史的条目，从而突出中国哲学专科辞典的特色。中国近现代哲学家和著作的条目也很丰富。本辞典的对象主要是哲学社会科学工作者、大专院校师生和一般具有高中以上文化程度的理论宣传工作者和实际工作者。

# 目 录

---

|                |       |
|----------------|-------|
| 词目笔划索引 .....   | (1)   |
| 词目 .....       | (1)   |
| 附录 .....       | (752) |
| 分类词目索引 .....   | (752) |
| 词头汉语拼音索引 ..... | (790) |

---

# 词 目 笔 画 索 引

## 一 画

### (一)

|                     |   |
|---------------------|---|
| 一个唯心者的文化观.....      | 1 |
| 一个唯情论者的宇宙观及人生观..... | 1 |
| 一个新信仰的宇宙观及人生观.....  | 1 |
| 一中多,多中一 .....       | 1 |
| 一分为二.....           | 2 |
| 一心三观.....           | 2 |
| 一心三智.....           | 2 |
| 一以贯之.....           | 2 |
| 一本.....             | 2 |
| 一本万殊.....           | 3 |
| 一曲.....             | 3 |
| 一行.....             | 3 |
| 一多.....             | 4 |
| 一多相即.....           | 4 |
| 一多相容.....           | 4 |
| 一阴一阳之谓道.....        | 4 |
| 一两.....             | 4 |
| 一即一切,一切即一 .....     | 6 |
| 一层楼.....            | 6 |
| 一画.....             | 6 |
| 一物两体.....           | 6 |
| 一念三千.....           | 6 |
| 一念发动即是行.....        | 7 |
| 一周而一不周.....         | 7 |
| 一貫.....             | 7 |
| 一貫问答.....           | 7 |
| 一故神,两故化 .....       | 7 |
| 一是而一非.....          | 7 |
| 一种万实.....           | 7 |
| 一致百慮.....           | 7 |
| 一真法界.....           | 8 |
| 一真绝待.....           | 8 |
| 一阐提.....            | 8 |
| 一阐提迦.....           | 8 |

## (乙)

|             |   |
|-------------|---|
| 乙丙之际箸议..... | 8 |
| 乙丙之际塾议..... | 8 |

## 二 画

### (一)

|                  |    |
|------------------|----|
| 二十世纪.....        | 9  |
| 二十年来之中国哲学思潮..... | 9  |
| 二无一.....         | 9  |
| 二而一,一而二 .....    | 9  |
| 二曲集.....         | 9  |
| 二林居集 .....       | 10 |
| 二柄 .....         | 10 |
| 二教论 .....        | 10 |
| 二谛 .....         | 10 |
| 二谛义 .....        | 10 |
| 二程全书 .....       | 10 |
| 十二因缘 .....       | 10 |
| 十力语要 .....       | 11 |
| 十力语要初续 .....     | 11 |
| 十三经注疏 .....      | 11 |
| 十三虚无 .....       | 11 |
| 十大经 .....        | 11 |
| 十义 .....         | 11 |
| 十六字心传 .....      | 11 |
| 十六经 .....        | 11 |
| 十生五成 .....       | 12 |
| 十玄门 .....        | 12 |
| 十玄缘起 .....       | 12 |
| 十地 .....         | 12 |
| 十如是 .....        | 12 |
| 十批判书 .....       | 13 |
| 十戒 .....         | 13 |
| 十善法门白史册 .....    | 13 |
| 十翼 .....         | 13 |
| 丁子有尾 .....       | 13 |

|     |    |
|-----|----|
| 丁文江 | 13 |
| 丁福保 | 13 |
| 七气  | 13 |
| 七纬  | 13 |
| 七法  | 13 |
| 七情  | 14 |

## (丨)

|    |    |
|----|----|
| 卜论 | 14 |
| 卜商 | 14 |
| 卜筮 | 14 |

## (ノ)

|           |    |
|-----------|----|
| 八不中道      | 14 |
| 八正        | 14 |
| 八正道       | 14 |
| 八戒        | 14 |
| 八角        | 15 |
| 八识        | 15 |
| 八卦        | 15 |
| 八思巴       | 15 |
| 八儒        | 15 |
| 人义        | 15 |
| 人马之喻      | 15 |
| 人无我论      | 15 |
| 人文        | 15 |
| 人为万物之灵    | 15 |
| 人为天地万物之盗说 | 15 |
| 人为什么犯错误   | 16 |
| 人心        | 16 |
| 人心与人生     | 16 |
| 人生四境界说    | 16 |
| 人生问题发端    | 16 |
| 人生观       | 16 |
| 人生观与科学    | 17 |
| 《人生观之论战》序 | 17 |
| 人生观论战     | 17 |
| 人生观论战之回顾  | 17 |
| 人生真义      | 17 |
| 人生哲学      | 17 |
| 人伦        | 18 |
| 人极        | 18 |
| 人事为本,天道为末 | 18 |
| 人非利不生     | 18 |
| 人物志       | 18 |
| 人物品藻      | 18 |
| 人的阶级性     | 19 |

|           |    |
|-----------|----|
| 人性        | 19 |
| 人性兽性同时发展  | 19 |
| 人定胜天      | 19 |
| 人皆可以为尧舜   | 19 |
| 人类互助原则    | 19 |
| 人类进化之时期   | 19 |
| 人类的仁爱性    | 20 |
| 人能        | 20 |
| 人能弘道,非道弘人 | 20 |
| 人能胜乎天     | 20 |
| 人理        | 20 |
| 人副天数      | 20 |
| 人欲        | 20 |
| 人欲横流说     | 21 |
| 人谋        | 21 |
| 人道        | 21 |
| 人道之知      | 21 |
| 人道有为      | 21 |
| 人演        | 21 |
| 人爵        | 21 |
| 入静        | 21 |
| 入德凝道      | 21 |
| 几         | 22 |
| 九天        | 22 |
| 九句因       | 22 |
| 九守        | 22 |
| 九经        | 22 |
| 九品莲台      | 23 |
| 九思        | 23 |
| 九流十家      | 23 |
| 九德        | 23 |

## (乙)

|       |    |
|-------|----|
| 力今胜古  | 23 |
| 力行哲学  | 23 |
| 力牧    | 23 |
| 力的宇宙观 | 23 |
| 力命    | 24 |
| 力黑    | 24 |
| 了别    | 24 |

## 三 画

## (一)

|    |    |
|----|----|
| 三一 | 25 |
| 三才 | 25 |

|           |    |          |    |
|-----------|----|----------|----|
| 三千世间      | 25 | 三法印      | 31 |
| 三尸        | 25 | 三宝       | 31 |
| 三支作法      | 25 | 三学       | 31 |
| 三元        | 25 | 三要素论     | 31 |
| 三无性       | 26 | 三昧       | 32 |
| 三不朽       | 26 | 三畏       | 32 |
| 三从四德      | 26 | 三界       | 32 |
| 三凶        | 26 | 三界唯心     | 32 |
| 三正        | 26 | 三科       | 32 |
| 三世        | 26 | 三皈依      | 32 |
| 三世一时      | 26 | 三语椽      | 32 |
| 三世六别      | 27 | 三洞四辅     | 33 |
| 三生        | 27 | 三统       | 33 |
| 三礼        | 27 | 三统开出说    | 33 |
| 三玄        | 27 | 三破论      | 33 |
| 三民主义      | 27 | 三乘       | 33 |
| 三民主义之哲学基础 | 27 | 三能变      | 34 |
| 三百篇       | 27 | 三理       | 34 |
| 三达德       | 27 | 三谛圆融     | 34 |
| 三年不窥园     | 27 | 三谛偈      | 34 |
| 三自性       | 27 | 三清       | 34 |
| 三名        | 27 | 三盗       | 34 |
| 三论玄义      | 27 | 三惑       | 34 |
| 三论宗       | 28 | 三墨       | 34 |
| 三阶教       | 28 | 三德       | 35 |
| 三坛说       | 28 | 三藏       | 35 |
| 三报论       | 28 | 干吉       | 35 |
| 三材        | 28 | 干室       | 35 |
| 三极        | 29 | 于吉       | 35 |
| 三时学会      | 29 | 于吉神书     | 35 |
| 三言        | 29 | 于光远      | 35 |
| 三即一,一即三   | 29 | 工夫所至即其本体 | 35 |
| 三陆子之学     | 29 | 士礼       | 36 |
| 三纲        | 29 | 士君子之辩    | 36 |
| 三纲五常      | 29 | 下学上达     | 36 |
| 三纲六纪      | 29 | 下德       | 36 |
| 三纲领八条目    | 30 | 大一       | 36 |
| 三松堂全集     | 30 | 大一统      | 36 |
| 三表        | 30 | 大人先生传    | 36 |
| 三事        | 30 | 大九州说     | 36 |
| 三易        | 30 | 大丈夫      | 36 |
| 三易洞玑      | 30 | 大小夏侯     | 36 |
| 三物        | 30 | 大小俱足     | 36 |
| 三知三行      | 30 | 大小戴      | 37 |
| 三性        | 30 | 大元盛世青史演义 | 37 |
| 三性一际      | 31 | 大中之道     | 37 |
| 三法        | 31 | 大心       | 37 |

|                              |    |
|------------------------------|----|
| 大巧                           | 37 |
| 大札撒                          | 37 |
| 大用流行                         | 37 |
| 大乐                           | 37 |
| 大动力                          | 37 |
| 大共名                          | 37 |
| 大同                           | 37 |
| 大同书                          | 38 |
| 大同而与小同异，此之谓小同异；万物毕同毕异，此之谓大同异 | 38 |
| 大同异                          | 38 |
| 大全                           | 38 |
| 大众哲学                         | 38 |
| 大别名                          | 39 |
| 大体                           | 39 |
| 大取                           | 39 |
| 大易择言                         | 39 |
| 大知大觉                         | 39 |
| 大贫小富说                        | 39 |
| 大宗师                          | 39 |
| 大学                           | 40 |
| 大学古本                         | 40 |
| 大学问                          | 40 |
| 大学衍义                         | 40 |
| 大学辨                          | 40 |
| 大学辨业                         | 40 |
| 大故                           | 40 |
| 大衍义                          | 40 |
| 大衍之数                         | 41 |
| 大胆假设，小心求证                    | 41 |
| 大音                           | 41 |
| 大美                           | 41 |
| 大乘                           | 41 |
| 大乘止观法门                       | 41 |
| 大乘玄论                         | 42 |
| 大乘有宗                         | 42 |
| 大乘空宗                         | 42 |
| 大乘起信论                        | 42 |
| 大唐西域记                        | 42 |
| 大唐西域求法高僧传                    | 43 |
| 大理                           | 43 |
| 大黄册                          | 43 |
| 大象                           | 43 |
| 大清明                          | 43 |
| 大辩、小辩                        | 43 |
| 大藏经                          | 43 |
| 万化皆渐而无顿                      | 44 |

|               |    |
|---------------|----|
| 万物一马          | 44 |
| 万物一齐          | 44 |
| 万物之数括于三       | 44 |
| 万物皆备于我        | 44 |
| 万法唯识          | 44 |
| 万章            | 44 |
| 与山巨源绝交书       | 44 |
| 与天为一          | 44 |
| 与天为徒          | 44 |
| 与友人书论物理世界及不可思 | 45 |
| 与民同乐          | 45 |
| 与邢邵议生灭论       | 45 |
| 与罗君章书         | 45 |
| 与诸道人辨宗论       | 45 |
| 才             | 45 |
| 才性            | 46 |
| 才性与玄理         | 46 |
| 才性之学          | 46 |
| 才性之辨          | 46 |
| 才性四本          | 46 |
| 才性四本论         | 46 |
| 才性同           | 46 |
| 才性合           | 46 |
| 才性论           | 46 |
| 才性异           | 46 |
| 才性异同          | 46 |
| 才性离           | 46 |
| 才、胆、识、力       | 46 |
| 才情            | 47 |

## ( | )

|      |    |
|------|----|
| 上帝   | 47 |
| 上海大学 | 47 |
| 上清派  | 47 |
| 上智下愚 | 47 |
| 上蔡学派 | 47 |
| 上蔡语录 | 47 |
| 上德   | 48 |
| 口辩   | 48 |
| 山巨源  | 48 |
| 山出口  | 48 |
| 山涛   | 48 |
| 山海经  | 48 |

## ( 丶 )

|      |    |
|------|----|
| 乞颜观念 | 48 |
| 义    | 48 |

|           |    |
|-----------|----|
| 义玄        | 49 |
| 义存        | 49 |
| 义利        | 49 |
| 义利之辨      | 50 |
| 义,利也      | 50 |
| 义利双行,王霸并用 | 50 |
| 义兵        | 50 |
| 义净        | 50 |
| 义荣        | 50 |
| 义辱        | 50 |
| 义理        | 50 |
| 义理之性      | 51 |
| 义理之学      | 51 |
| 久         | 51 |
| 凡物必合      | 51 |
| 及之而后知     | 51 |

## (丶)

|      |    |
|------|----|
| 广弘明集 | 51 |
| 广阳杂记 | 51 |
| 广近思录 | 51 |

## (乙)

|               |    |
|---------------|----|
| 尸子            | 51 |
| 尸佼            | 51 |
| 尸解            | 51 |
| 己所不欲,勿施于人     | 52 |
| 己欲立而立人,己欲达而达人 | 52 |
| 己易            | 52 |
| 已发            | 52 |
| 弓矢从的          | 52 |
| 卫玠            | 52 |
| 卫鞅            | 52 |
| 刃利之喻          | 52 |
| 小一            | 52 |
| 小人之辨          | 52 |
| 小三世           | 52 |
| 小止观           | 53 |
| 小心斋札记         | 53 |
| 小同异           | 53 |
| 小体            | 53 |
| 小取            | 53 |
| 小国寡民          | 53 |
| 小变不失大常        | 53 |
| 小故            | 53 |
| 小乘            | 53 |
| 小象            | 54 |

|           |    |
|-----------|----|
| 小康        | 54 |
| 飞升        | 54 |
| 飞鸟之景未尝动   | 54 |
| 习         | 54 |
| 习心        | 54 |
| 习动        | 54 |
| 习行        | 54 |
| 习学记言      | 55 |
| 习学记言序目    | 55 |
| 习常        | 55 |
| 马丹阳       | 55 |
| 马有卵       | 55 |
| 马克思传      | 55 |
| 马克思学说     | 55 |
| 马克思学说的批评  | 55 |
| 马坚        | 55 |
| 马明心       | 56 |
| 马注        | 56 |
| 马建忠       | 56 |
| 马复初       | 56 |
| 马祖道一      | 56 |
| 马浮        | 57 |
| 马联元       | 57 |
| 马赫木德·喀什噶尔 | 57 |
| 马端临       | 57 |
| 马德新       | 57 |
| 马融        | 57 |
| 子华子       | 57 |
| 子产        | 57 |
| 子羽        | 58 |
| 子贡        | 58 |
| 子罕        | 58 |
| 子张        | 58 |
| 子学        | 58 |
| 子思        | 58 |
| 子莫        | 58 |
| 子夏        | 58 |
| 子游        | 58 |
| 子路        | 58 |
| 乡村建设理论    | 59 |
| 乡原        | 59 |
| 乡陵氏       | 59 |

## 四 画

## (一)

|      |    |
|------|----|
| 比丘尼传 | 60 |
|------|----|

|           |    |
|-----------|----|
| 比相生       | 60 |
| 比量        | 60 |
| 比量智       | 60 |
| 比德        | 60 |
| 支那内学院     | 60 |
| 支娄迦谶      | 61 |
| 支离事业      | 61 |
| 支遁        | 61 |
| 支谦        | 61 |
| 支道林       | 61 |
| 支谶        | 61 |
| 艺概        | 61 |
| 云门三句      | 62 |
| 云门宗       | 62 |
| 云中音诵新科之诫  | 62 |
| 云笈七籙      | 62 |
| 云篆        | 62 |
| 云雾        | 62 |
| 元         | 63 |
| 元气        | 63 |
| 元气之外无太极   | 63 |
| 元气本体论     | 63 |
| 元气自动论     | 63 |
| 元气自然论     | 64 |
| 元世祖       | 64 |
| 元会运世      | 64 |
| 元亨利贞      | 64 |
| 元知        | 64 |
| 元始上真众仙记   | 64 |
| 元始天尊      | 64 |
| 元结        | 65 |
| 元朝秘史      | 65 |
| 元照        | 65 |
| 元精        | 65 |
| 无         | 65 |
| 无己        | 65 |
| 无元哲学      | 65 |
| 无无        | 65 |
| 无为        | 65 |
| 无为而无不为    | 66 |
| 无为而治      | 66 |
| 无为法       | 66 |
| 无心        | 66 |
| 无心与顺有     | 66 |
| 无以人灭天     | 66 |
| 无以小害大     | 66 |
| 无平不陂，无往不复 | 66 |

|             |    |
|-------------|----|
| 无生          | 67 |
| 无用之用        | 67 |
| 无对          | 67 |
| 无对待在对待中     | 67 |
| 无有          | 67 |
| 无因论         | 67 |
| 无名          | 67 |
| 无名论         | 67 |
| 无尽缘起        | 68 |
| 无极          | 68 |
| 无极而太极       | 68 |
| 无何有之乡       | 68 |
| 无何集         | 68 |
| 无住          | 68 |
| 无私则无心       | 68 |
| 无我          | 68 |
| 无我之境        | 69 |
| 无言无意之域      | 69 |
| 无穷          | 69 |
| 无君论         | 69 |
| 无其器则无其道     | 69 |
| 无明          | 69 |
| 无念          | 69 |
| 无念为宗        | 69 |
| 无质独影        | 69 |
| 无相          | 69 |
| 无政府主义论战     | 70 |
| 无故从有故       | 70 |
| 无厚不可积也，其大千里 | 70 |
| 无待          | 70 |
| 无独必有对       | 70 |
| 无神论         | 71 |
| 无神教         | 71 |
| 无染          | 71 |
| 无迹          | 71 |
| 无能子         | 71 |
| 无跂尚         | 71 |
| 无常          | 71 |
| 无欲          | 71 |
| 无情          | 71 |
| 无情有性        | 72 |
| 无量世         | 72 |
| 无漏          | 72 |
| 天           | 72 |
| 天人          | 72 |
| 天人一理        | 74 |
| 天人三策        | 74 |

|               |    |        |    |
|---------------|----|--------|----|
| 天人之分          | 74 | 天行有常   | 81 |
| 天人之辨          | 74 | 天论     | 81 |
| 天人不相胜         | 75 | 天问     | 81 |
| 天人不相预         | 75 | 天均     | 81 |
| 天人同类          | 75 | 天极     | 81 |
| 天人合一          | 75 | 天志     | 82 |
| 天人相与之际        | 76 | 天运     | 82 |
| 天人相参          | 76 | 天体非气   | 82 |
| 天人感应          | 76 | 天佛合一   | 82 |
| 天力论           | 76 | 天君     | 82 |
| 天工开物          | 76 | 天明     | 82 |
| 天下            | 76 | 天命     | 82 |
| 天下为公          | 77 | 天命之性   | 82 |
| 天下郡国利病书       | 77 | 天命靡常   | 82 |
| 天下惟器          | 77 | 天性之知   | 83 |
| 天与人交相胜还相用     | 77 | 天放     | 83 |
| 天与地卑，山与泽平     | 77 | 天官     | 83 |
| 天门            | 77 | 天官意物   | 83 |
| 天元            | 77 | 天府     | 83 |
| 天无二日 地无二罕     | 77 | 天经地义   | 83 |
| 天不变道亦不变       | 77 | 天政     | 83 |
| 天文            | 78 | 天钩     | 83 |
| 天文训           | 78 | 天泉证道   | 83 |
| 天方典礼          | 78 | 天说     | 83 |
| 天方典礼择要解       | 78 | 天养     | 84 |
| 天方性理          | 78 | 天倪     | 84 |
| 天父地母说         | 78 | 天能     | 84 |
| 天功            | 78 | 天理     | 84 |
| 天生人成          | 78 | 天理自然   | 84 |
| 天生之智          | 79 | 天职     | 84 |
| 天乐            | 79 | 天常     | 84 |
| 天对            | 79 | 天情     | 84 |
| 天台宗           | 79 | 天隐子    | 84 |
| 天地一指          | 79 | 天智     | 85 |
| 天地万物自然一体      | 79 | 天道     | 85 |
| 天地与我共生，万物与我为一 | 79 | 天道无二   | 85 |
| 天地之性          | 80 | 天道无亲   | 85 |
| 天地之性人为贵       | 80 | 天道自然无为 | 85 |
| 天地之数          | 80 | 天道自然论  | 85 |
| 天地我立，万化我出     | 80 | 天道环周   | 85 |
| 天地皆体          | 80 | 天道尚变   | 85 |
| 天刑            | 80 | 天属     | 85 |
| 天有常道，地有常数     | 80 | 天意     | 85 |
| 天师道           | 80 | 天演     | 85 |
| 天当            | 81 | 天演论    | 86 |
| 天网            | 81 | 天聪     | 86 |
| 天行            | 81 | 天趣     | 86 |

|           |    |           |    |
|-----------|----|-----------|----|
| 天德        | 86 | 王心斋先生遗集   | 91 |
| 天德良知      | 86 | 王处一       | 92 |
| 天稽环周      | 86 | 王玄览       | 92 |
| 天爵        | 86 | 王戎        | 92 |
| 天籁自鸣      | 86 | 王先谦       | 92 |
| 开元录       | 86 | 王廷相       | 92 |
| 开元释教录     | 87 | 王廷相哲学选集   | 92 |
| 开明自营      | 87 | 王充        | 93 |
| 开物成务      | 87 | 王守仁       | 93 |
| 开塞        | 87 | 王安石       | 94 |
| 不二        | 87 | 王安石老子注辑本  | 94 |
| 不二法门      | 87 | 王阳明       | 94 |
| 不二斋文选     | 87 | 王导        | 94 |
| 不为而成      | 87 | 王艮        | 94 |
| 不以人助天     | 87 | 王应麟       | 94 |
| 不平则鸣      | 88 | 王若水       | 95 |
| 不可知之事     | 88 | 王明        | 95 |
| 不用舌论      | 88 | 王国维       | 95 |
| 不动心       | 88 | 王岱舆       | 95 |
| 不朽        | 88 | 王肃        | 96 |
| 不似之似      | 88 | 王栋        | 96 |
| 不行而知      | 88 | 王柏        | 96 |
| 不忍人之心     | 89 | 王荆公       | 96 |
| 不知之知      | 89 | 王临川       | 96 |
| 不知之知与不识之知 | 89 | 王星拱       | 96 |
| 不知亦能行     | 89 | 王衍        | 96 |
| 不知所以因而自因  | 89 | 王重阳       | 96 |
| 不诚无物      | 89 | 王宪钩       | 96 |
| 不空        | 89 | 王浮        | 97 |
| 不是而然      | 89 | 王宽        | 97 |
| 不真空       | 89 | 王通        | 97 |
| 不真空论      | 90 | 王辅嗣       | 97 |
| 不徒耳目，必开心意 | 90 | 王崧        | 97 |
| 不谴是非以与世俗处 | 90 | 王船山       | 97 |
| 木华黎       | 90 | 王符        | 97 |
| 互有        | 90 | 王清任       | 97 |
| 互辩律       | 90 | 王雱        | 97 |
| 瓦斯一大块     | 90 | 王道        | 97 |
| 王士元       | 90 | 王弼        | 98 |
| 王门四句诀     | 91 | 王源        | 98 |
| 王门四句教     | 91 | 王韬        | 98 |
| 王夫之       | 91 | 王静斋       | 98 |
| 王氏家藏集     | 91 | 王畿        | 98 |
| 王文公       | 91 | 王蘋        | 99 |
| 王文公文集     | 91 | 王懋竑       | 99 |
| 王文成公全书    | 91 | 王霸        | 99 |
| 王心斋       | 91 | 五十年来中国之哲学 | 99 |

|          |     |            |     |
|----------|-----|------------|-----|
| 五支作法     | 99  | 太平道        | 107 |
| 五无       | 100 | 太史儋        | 107 |
| 五无论      | 100 | 太白阴经       | 107 |
| 五斗米道     | 100 | 太玄         | 107 |
| 五四新文化运动  | 100 | 太师箴        | 107 |
| 五生十成     | 100 | 太冲         | 107 |
| 五百年必有王者兴 | 100 | 太极         | 108 |
| 五伦       | 101 | 太极图说       | 108 |
| 五行       | 101 | 太极图说解      | 108 |
| 五行无常胜    | 101 | 太极图解       | 108 |
| 五行毋常胜    | 101 | 太极解义       | 108 |
| 五行生克     | 101 | 太极辩        | 108 |
| 五行相生     | 101 | 太初         | 109 |
| 五行相胜     | 102 | 太易         | 109 |
| 五行家      | 102 | 太和         | 109 |
| 五灯会元     | 102 | 太始         | 109 |
| 五材       | 102 | 太素         | 109 |
| 五戒       | 103 | 太虚         | 109 |
| 五时七候     | 103 | 太虚一实       | 110 |
| 五位百法     | 103 | 太虚本动       | 110 |
| 五位君臣     | 103 | 太虚即气       | 110 |
| 五其比,偶其类  | 103 | 犬可以为羊      | 110 |
| 五事       | 103 | 廿年来中国思想的转变 | 110 |
| 五性       | 103 | 历史民族       | 110 |
| 五经正义     | 104 | 历史的方法      | 110 |
| 五经通论     | 104 | 历史哲学大纲     | 111 |
| 五重唯识观    | 104 | 历史唯物主义纲要   | 111 |
| 五鬼闹中华    | 104 | 厉物十事       | 111 |
| 五逆       | 104 | 巨(钜)子      | 111 |
| 五殊二实     | 104 |            |     |
| 五峰集      | 104 | (一)        |     |
| 五贼       | 104 | 止          | 111 |
| 五家七宗     | 105 | 止于至善       | 111 |
| 五常       | 105 | 止观         | 111 |
| 五路       | 105 | 止念         | 112 |
| 五蕴       | 105 | 止斋文集       | 112 |
| 五德       | 105 | 少正卯        | 112 |
| 五德转移     | 105 | 少年中国       | 112 |
| 五德终始     | 105 | 少私寡欲       | 112 |
| 五蠹       | 105 | 中五说        | 112 |
| 牙含章      | 106 | 中西印哲学文集    | 112 |
| 韦弦之喻     | 106 | 中行         | 113 |
| 韦政通      | 106 | 中论         | 113 |
| 太一       | 106 | 中观学派       | 113 |
| 太平诏书     | 106 | 中体西用       | 113 |
| 太平经      | 107 | 中间路线       | 113 |
| 太平清领书    | 107 | 中国人生哲学     | 113 |